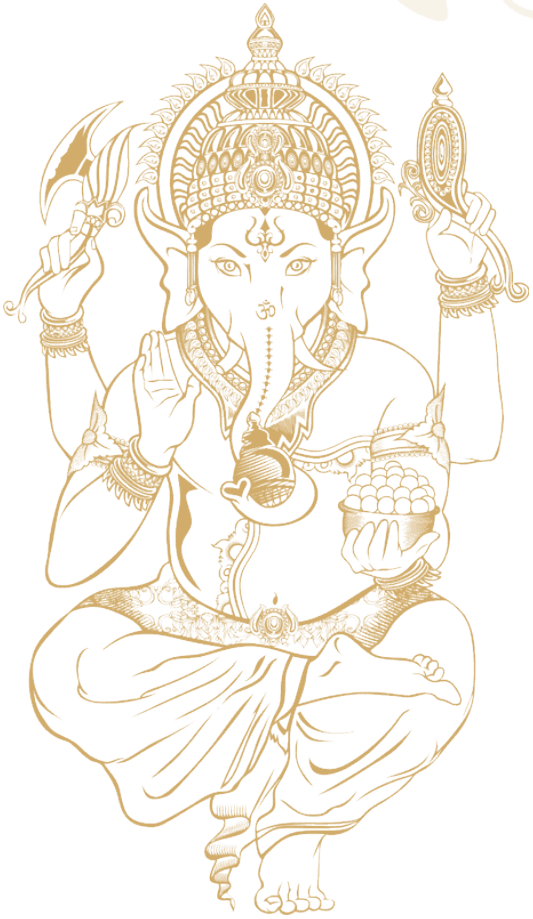

Mr.sanjeev kumar

16 Mar 1975

06:45 PM

Kurukshetra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121453302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/03/1975**
दिन	रविवार
जन्म समय	**18:45:00 घंटे**
इष्ट	30:30:58 घटी
स्थान	**Kurukshetra**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:59:00 उत्तर
रेखांश	76:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:22:24 घंटे
वेलान्तर	-00:08:53 घंटे
साम्पातिक काल	05:56:25 घंटे
सूर्योदय	06:32:36 घंटे
सूर्यास्त	18:30:47 घंटे
दिनमान	11:58:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:48:50 मीन
लग्न के अंश	05:42:26 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:42:26	314:43:17	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			मीन	01:48:50	00:59:46	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	11:16:33	12:17:23	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			मक	16:32:17	00:45:25	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	06:33:54	01:21:04	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
गुरु		अ	मीन	05:57:54	00:14:32	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			मेष	02:24:37	01:13:02	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि			मिथु	18:25:58	00:00:15	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	09:36:45	00:05:04	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:36:45	00:05:04	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		तुला	08:19:04	00:01:53	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
नेप	व		वृश्चि	18:16:47	00:00:04	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो	व		कन्या	14:43:45	00:01:37	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	05:39:59	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:54

लग्न-चलित

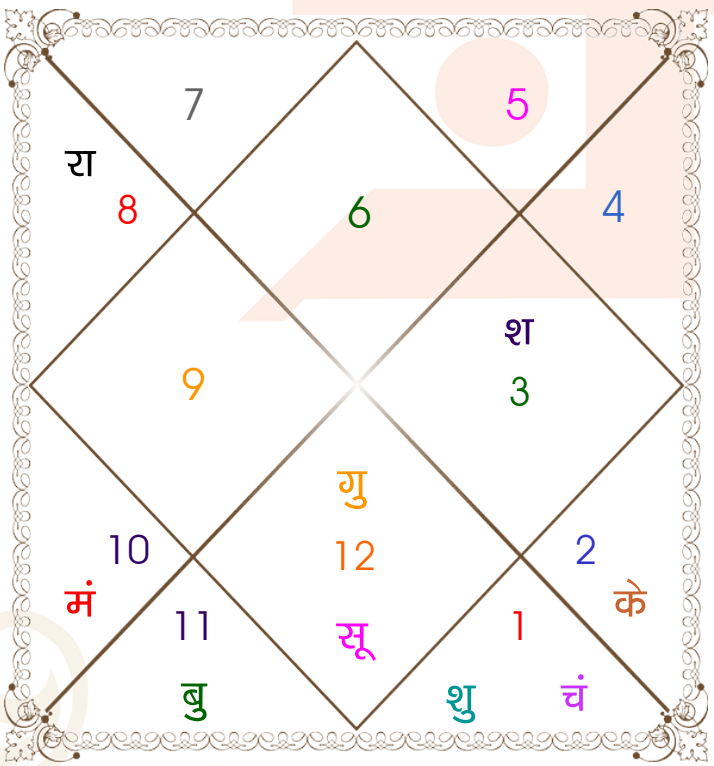

चन्द्र कुंडली

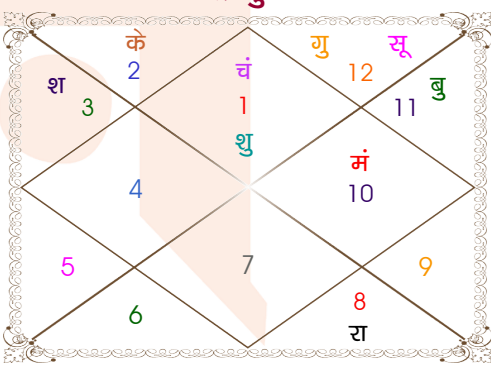

नवमांश कुंडली

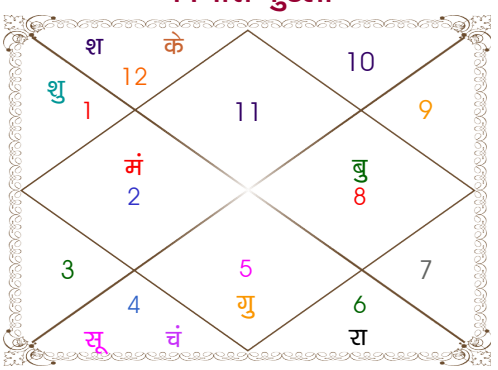

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 0 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/03/1975		14/04/1976		14/04/1996		14/04/2002		14/04/2012	
14/04/1976		14/04/1996		14/04/2002		14/04/2012		15/04/2019	
	00/00/0000	शुक्र	14/08/1979	सूर्य	01/08/1996	चंद्र	13/02/2003	मंगल	10/09/2012
	00/00/0000	सूर्य	14/08/1980	चंद्र	31/01/1997	मंगल	14/09/2003	राहु	29/09/2013
	00/00/0000	चंद्र	14/04/1982	मंगल	08/06/1997	राहु	15/03/2005	गुरु	04/09/2014
	00/00/0000	मंगल	14/06/1983	राहु	03/05/1998	गुरु	15/07/2006	शनि	14/10/2015
	00/00/0000	राहु	14/06/1986	गुरु	19/02/1999	शनि	13/02/2008	बुध	10/10/2016
	00/00/0000	गुरु	12/02/1989	शनि	01/02/2000	बुध	14/07/2009	केतु	09/03/2017
	16/03/1975	शनि	14/04/1992	बुध	07/12/2000	केतु	12/02/2010	शुक्र	09/05/2018
शनि	18/04/1975	बुध	13/02/1995	केतु	14/04/2001	शुक्र	14/10/2011	सूर्य	14/09/2018
बुध	14/04/1976	केतु	14/04/1996	शुक्र	14/04/2002	सूर्य	14/04/2012	चंद्र	15/04/2019

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/04/2019		14/04/2037		14/04/2053		14/04/2072		14/04/2089	
14/04/2037		14/04/2053		14/04/2072		14/04/2089		00/00/0000	
राहु	26/12/2021	गुरु	02/06/2039	शनि	17/04/2056	बुध	10/09/2074	केतु	10/09/2089
गुरु	20/05/2024	शनि	14/12/2041	बुध	26/12/2058	केतु	08/09/2075	शुक्र	10/11/2090
शनि	27/03/2027	बुध	20/03/2044	केतु	04/02/2060	शुक्र	09/07/2078	सूर्य	18/03/2091
बुध	14/10/2029	केतु	24/02/2045	शुक्र	05/04/2063	सूर्य	15/05/2079	चंद्र	17/10/2091
केतु	01/11/2030	शुक्र	26/10/2047	सूर्य	17/03/2064	चंद्र	13/10/2080	मंगल	14/03/2092
शुक्र	01/11/2033	सूर्य	14/08/2048	चंद्र	17/10/2065	मंगल	11/10/2081	राहु	02/04/2093
सूर्य	26/09/2034	चंद्र	14/12/2049	मंगल	26/11/2066	राहु	29/04/2084	गुरु	09/03/2094
चंद्र	27/03/2036	मंगल	19/11/2050	राहु	02/10/2069	गुरु	05/08/2086	शनि	16/03/2095
मंगल	14/04/2037	राहु	14/04/2053	गुरु	14/04/2072	शनि	14/04/2089		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 0 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।